Vidyasagar University

Midnapore – 721102

विद्यासागर विश्वविद्यालय

एम . ए. (हिन्दी) पाठ्यक्रम

Post Graduate Syllabus

in

Hindi

under Choice Based Credit System

(CBCS)

[w.e.f.: 2022-2023]

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

Course Structure of M.A in Hindi

SEMESTER	COURSE	COURSE TITLES		FULL MARK	NO. OF LECTURE	CREDIT (L-T-P)
I	HIN 101	HINDI SAHITYA KA ITIHAS: ADHUNIK AUR MADHYKAL		50	50	5 (4-1-0)
	HIN 102	MADHYAKALIN KAVYA		50	50	5 (4-1-0)
	HIN 103	HINDI SAHITYA KA ITIHAS: ADHUNIK		50	50	5 (4-1-0)
	HIN 104	ADHUNIK KAVYA – 1		50	50	5 (4-1-0)
		LOK SAHITYA		50	50	5 (4-1-0)
TOTAL				**250**		**25**
II	HIN 201	AHUNIK KAVYA – 2		50	50	5 (4-1-0)
	HIN 202	BHASHA VIGYAN AUR HINDI BHASHA		50	50	5 (4-1-0)
	HIN 203	SAHITYA SIDHANT EWAM PASHCHATYA		50	50	5 (4-1-0)
	CBCS HIN 204	HINDI SAHITYA KI PRAMPARA EWAM		50	40	4 (3-1-0)
	HIN 205	HINDI KAHANI		50	50	5 (4-1-0)
TOTAL				**250**		**24**
III	HIN 301	HINDI UPNYAS		50	50	5 (4-1-0)
	HIN 302	HINDI NATAK AUR RANGMANCH		50	50	5 (4-1-0)
	HIN 303	HINDI KATHETAR SAHITYA		50	50	5 (4-1-0)
	CBCS HIN 304	PRAYOJANMULAK HINDI EWAM RACHANA PATH VISHLESHAN		50	40	4 (3-1-0)
	HIN 305	HIN 305 (A)	HINDI PATRAKARITA	25	25	5 (4-1-0)
		HIN 305 (B)	BHARTIYA SAHITYA	25	25	
TOTAL				**250**		**24**
IV	HIN 401	HINDI ALOCHNA		50	50	5 (4-1-0)
	HIN 402	ANUVAD VIGYAN		50	50	5 (4-1-0)
	HIN 403	VIVIDH VIMARSH AUR HINDI		50	50	5 (4-1-0)
	HIN 404	HIN (402) A	PREMCHAND	25	25	5 (4-1-0)
		HIN (402) B	NIRALA	25		
	HIN 405	LAGHU SHODH PRABANDH		50	50	5 (4-1-0)
TOTAL				**250**		**25**
ALL TOTAL				**1000**		**98**

MARKS = 50 END SEMESTER EXAMINATION (40) + INTERNAL ASSESSMENT (10)

Distinctive features of course content :

Value-added course: HIN-405

Employability/entrepreneurship/ skill development:

HIN-202, HIN-302, HIN-304, HIN-305, HIN-402

Ethics, gender, human values, environment & sustainability: HIN-403

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

Course Structure of M.A in Hindi

SEMESTER	COURSE NO.	COURSE TITLES		FULL MARKS	CREDIT
I	HIN 101	हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल		50	5
	HIN 102	मध्यकालीन काव्य		50	5
	HIN 103	हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल		50	5
	HIN 104	आधुनिक काव्य - 1		50	5
		लोक साहित्य		50	5
TOTAL				**250**	**25**
II	HIN 201	आधुनिक काव्य –2		50	5
	HIN 202	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का विकास		50	5
	HIN 203	साहित्य सिद्धांत		50	5
	CBCS HIN 204	हिंदी साहित्य की परंपरा और विकास		50	4
	HIN 205	हिंदी कहानी		50	5
TOTAL				**250**	**24**
III	HIN 301	हिंदी उपन्यास		50	5
	HIN 302	हिंदी नाटक और रंगमंच		50	5
	HIN 303	हिंदी कथेतर साहित्य		50	5
	CBCS HIN 304	प्रयोजनमूलक हिंदी एवं रचना पाठ विश्लेषण		50	4
	HIN 305	HIN 305 (A)	हिंदी पत्रकारिता	50	5
		HIN 305 (B)	भारतीय साहित्य		
TOTAL				**250**	**24**
IV	HIN 401	हिंदी आलोचना		50	5
	HIN 402	अनुवाद विज्ञान		50	5
	HIN 403	विविध विमर्श और हिंदी साहित्य		50	5
	HIN 404	HIN 402 (A)	प्रेमचंद	50	
		HIN 402 (B)	निराला		
	HIN 405	लघु शोध प्रबंध लेखन		50	5
TOTAL				**250**	**25**
ALL TOTAL				**1000**	**98**

MARKS = 50 END SEMESTER EXAMINATION (40) + INTERNAL ASSESSMENT (10)

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 1

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल

पत्र : 101

- **हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल**

इकाई- 1

(क) साहित्य का इतिहास दर्शन, साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, इतिहास-लेखन की विभिन्न पद्धतियाँ, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

इकाई- 2

(ख) आदिकाल - परिस्थितियाँ और पृष्ठभूमि, नामकरण, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य, गद्य साहित्य।

इकाई- 3

(ग) पूर्व मध्यकाल - (भक्तिकाल) : भक्ति आंदोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप। निर्गुण और सगुण काव्य धाराओं की विशेषताएँ , सूफी काव्य धारा का विकास और उसकी विशेषताएँ। हिन्दी सगुण काव्य धारा – राम काव्य और कृष्ण काव्य का स्वरूप एवं पृष्ठभूमि, वैचारिक एवं दार्शनिक आधार, प्रमुख कवि एवं उनका काव्य, कवियों का सामाजिक-सांस्कृतिक अवदान।

इकाई- 4

(घ) उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल) : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण की समस्या, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), और विशेषताएँ , रीतिकालीन गद्य साहित्य। रीतिकालीन प्रमुख कवियों और कृतियों का परिचय।

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा
2. साहित्य का इतिहास दर्शन - शिवकुमार शर्मा
3. साहित्येतिहास संरचना और स्वरूप - सुमन राजे

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

4. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
5. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा
8. हिंदी साहित्य का अतीत-भाग 1 - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का इतिहास - नगेंद्र
10. लोकजागरण और हिंदी साहित्य - रामविलास शर्मा
11. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपतिचंद्र गुप्त
12. साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पाण्डेय
13. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरुप चतुर्वेदी
14. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 1

मध्यकालीन काव्य

पत्र : 103

(क) चंद बरदाई – पृथ्वीराज रासो (कयमास वध)

(ख) कबीर : कबीर ग्रंथावली – (सं.) श्याम सुंदर दास

(पद – 1, 6, 8, 11, 13, 16, 27, 39, 40, 43)

(ग) जायसी : नागमती वियोग खण्ड

(घ) सूरदास : भ्रमरगीतसार (सं.) रामचंद्र शुक्ल

(पद- 21, 23, 25, 34, 42, 62, 74, 76, 85,109)

(ङ) तुलसीदास : रामचरित मानस (गीता प्रेस, गोरखपुर) रामराज्य वर्णन

(दोहा – 20 से 25 एवं 36 से 41), कलि वर्णन (दोहा – 97 से 103)

(च) मीराँबाई : मीराँबाई की पदावली (सं.) परशुराम चतुर्वेदी

(पद – 1, 2, 14, 18, 19)

(छ) बिहारी : बिहारी सतसई : बिहारी रत्नाकर, सम्पादक श्री जगन्नाथ दास रत्नाकर

(दोहा – 1, 5, 7, 9, 10, 11, 15, 19, 20, 21

(ज) घनानंद : घनानंद कवित्त (सं.) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

(पद – 8, 14, 15, 16, 18, 19, 23, 29, 63, 69)

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. पृथ्वीराज रासो : इतिहास और काव्य - राजमल बोरा
2. चन्दबरदाई और उनका काव्य - बिपिन बिहारी त्रिवेदी
3. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. कबीर - सं. विजयेन्द्र स्नातक
5. कबीर साहित्य की परख - परशुराम चतुर्वेदी
6. अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय - पुरुषोत्तम अग्रवाल
7. जायसी - विजयदेव नारायण शाही
8. जायसी का मूल्यांकन - परमानंद श्रीवास्तव

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

9. त्रिवेणी - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
11. लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी
12. महाकवि सूरदास - नन्ददुलारे वाजपेयी
13. सूर संचयिता - मैनेजर पाण्डेय
14. सूरदास, जीवन और काव्य का अध्ययन - ब्रजेश्वर वर्मा
15. सूर और तुलसी - आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
16. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य - शिवकुमार मिश्र
17. भक्ति आंदोलन और सूर का काव्य - मैनेजर पाण्डेय
18. सूरदास - नंदकिशोर नवल
19. मीराबाई - श्रीकृष्ण लाल
20. मीरा का काव्य - विश्वनाथ त्रिपाठी
21. रीतिकाव्य की भूमिका - नगेन्द्र
22. बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
23. घनानंद काव्य और आलोचना - किशोरी लाल
24. घनानंद और स्वच्छंद काव्य धारा - मनोहर लाल गौड़
25. घनानंद - रामदेव शुक्ल

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 1

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

पत्र : 103

(क) नवजागरण की अवधारणा और विकास : नवजागरण की प्रवृत्तियाँ, हिंदी नवजागरण, बंगाल का नवजागरण, सन् 1857 का स्वाधीनता-संग्राम और नवजागरण।

(ख) भारतेंदु युग और द्विवेदी युगीन : गद्य़ और पद्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी कृतियाँ।

(ग) स्वच्छंदतावाद और छायावाद के उदय और विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि। छायावाद के प्रमुख कवि और उनके काव्य।

(घ) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता : वैचारिक पृष्ठभूमि, मुख्य प्रवृत्तियाँ। प्रतिनिधि कवि और उनके काव्य।

(ङ) हिंदी गद्य के विविध रूप : संक्षिप्त इतिहास : उपन्यास, कहानी, निबंध, आलोचना, नाटक, यात्रा-वृत्तांत, जीवनी, रिपोर्ताज एवं गद्य विधाएँ ।

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास - नगेंद्र
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास 2 - गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
7. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचन्द्र तिवारी
8. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण - रामविलास शर्मा
9. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण - रामविलास शर्मा
10. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण - रमेश कुंतल मेघ
11. हिन्दी गद्य : स्वरूप और संवेदना - रामस्वरूप चतुर्वेदी

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 1

आधुनिक काव्य - 1

पत्र : 104

- **आधुनिक काव्य - 1**

(क) मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)

(ख) जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा, लज्जा)

(ग) सुमित्रानंदन पंत : परिवर्तन, नौका विहार

(घ) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : सरोज स्मृति, बादल-राग – 1, 2

(ङ) महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मैं, मैं नीर भरी दुःख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे, यह मंदिर का दीप

(च) रामधारी सिंह 'दिनकर' : उर्वशी (केवल तीसरा सर्ग)

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
2. मैथलीशरण गुप्त प्रासांगिकता के अन्त:सूत्र – डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल
3. मैथलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन - नगेन्द्र
4. कामायनी - एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध
5. कामायनी पुनर्मूल्यांकन - नगेन्द्र
6. निराला की साहित्य साधना, भाग 1 और भाग 2 - रामविलास शर्मा
7. सुमित्रानंदन पंत - डॉ नगेन्द्र
8. महादेवी वर्मा - गंगा प्रसाद विमल
9. महादेवी - परमानन्द श्रीवास्तव
10. दिनकर के काव्य में युगचेतना - डॉ पन्ना
11. युगचारण दिनकर - सावित्री सिन्हा

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 1

लोक साहित्य

पत्र : 105

- **लोक साहित्य**

  (क) लोक साहित्य की अवधारणा और स्वरूप, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति

  (ख) लोक साहित्य के तत्त्व, लोक साहित्य का सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्त्व

  (ग) लोक साहित्य संकलन : उद्देश्य, संकलन की पद्धतियाँ, लोक वार्ता एवं लोक साहित्य का संबंध

  (घ) लोक साहित्य के विविध संप्रदाय

  (ङ) लोककथा, लोकगीत, लोकनाटक : स्वरूप एवं विकास

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. लोक-संस्कृति की रूपरेखा - कृष्णदेव उपाध्याय
2. लोक-साहित्य के विविध आयाम - डॉ. परवीन निजाम अंसारी
3. लोक-साहित्य चिंतन के विविध आयाम - रंजना शर्मा
4. लोक-जागरण और हिंदी साहित्य - सं. रामविलास शर्मा
5. लोक-साहित्य का अध्ययन - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय
6. भारतीय लोक-साहित्य - डॉ. श्याम परमार
7. लोक-साहित्य और लोक संस्कृति - दिनेश्वर प्रसाद
8. लोक साहित्य - सुरेश गौतम

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 2

आधुनिक काव्य - 2

पत्र : 201

- **आधुनिक काव्य –2**

(क) अज्ञेय : आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय, सं. विद्यानिवास मिश्र

कविता : असाध्य वीणा, कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला,

कितना नावों में कितनी बार

(ख) मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ, सं. अशोक वाजपेयी कविता : अंधेरे में

(ग) शमशेर बहादुर सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, सं. नामवर सिंह

कविता : काल तुझसे होड़ है मेरी, चुका भी हूँ मैं नहीं।

(घ) नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, सं. नामवर सिंह

कविता : प्रेत का बयान, बहुत दिनों के बाद, बादल को घिरते देखा है,

अकाल और उसके बाद , शासन की बंदूक

(ङ) रघुवीर सहाय : आत्महत्या के विरुद्ध

कविता : स्वाधीन व्यक्ति, मेरा प्रतिनिधि, अधिनायक, खड़ी स्त्री,

एक अधेड़ भारतीय आत्मा।

(च) धूमिल : संसद से सड़क तक

कविता : मोचीराम ,अकाल-दर्शन, रोटी और संसद

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. अज्ञेय की काव्य - तितीर्षा - आचार्य नन्दकिशोर
2. अज्ञेय : एक अध्ययन - भोलाभाई पटेल
3. अज्ञेय - सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. नागार्जुन की कविता - अजय तिवारी
5. नागार्जुन का रचना संसार - विजय बहादुर सिंह
6. कवियों के कवि शमशेर - रंजना अड़गडे

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

7. रघुवीर सहाय का कवि कर्म - सुरेश कुमार
8. रघुवीर सहाय का काव्य : एक अनुशीलन - मीनाक्षी
9. रचनाओं का बहाने : एक संस्मरण - मनोहर श्याम जोशी
10. मुक्तिबोध की काव्य-प्रक्रिया - अशोक चक्रधर
11. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य - हुकुमचंद राजपाल
12. नई कविता : निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध - विद्या सिन्हा
13. समकालीन कविता और धूमिल - मंजूल उपाध्याय
14. आधुनिक कविता यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 2

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का विकास

पत्र : 202

- **भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का विकास**

इकाई – 1 :

(क) भाषा : परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा के विविध रूप।

(ख) भाषा विज्ञान के अध्ययन की विविध पद्धतियाँ।

इकाई – 2 :

(क) ध्वनि विज्ञान (ख) रूप विज्ञान (ग) अर्थ विज्ञान (घ) वाक्य विज्ञान।

इकाई – 3 :

(क) हिंदी का ऐतिहासिक विकास : अपभ्रंश, अवहट्ठ, प्रारंभिक हिंदी का सामान्य परिचय। अवधी और ब्रजभाषा की व्याकरणिक विशेषताएँ । हिंदी बोलियों का सामान्य परिचय।

इकाई – 4 :

(ख) 19वीं सदी के अंतर्गत खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। स्वतंत्र भारत में हिंदी का राजभाषा के रुप में विकास, हिंदी भाषा का मानकीकरण। देवनागरी लिपि का मानकीकरण |

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. भाषा-शास्त्र की रूपरेखा - उदयनारायण तिवारी
2. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी
3. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
4. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा
5. हिंदी भाषा : उद्भव और विकास - हरदेव बाहरी
6. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र : कपिलदेव द्विवेदी
8. हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
9. भाषा और स्वरूप – रामविलस शर्मा

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 2

साहित्य सिद्धांत

पत्र : 203

(क) भारतीय काव्य शास्त्र

इकाई – 1 :

- काव्य का स्वरुप : काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के भेद

इकाई – 2 :

- रस सिद्धांत, अलंकर सिद्धांत, रीति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत और औचित्य सिद्धांत।

(ख) पाश्चात्य काव्य शास्त्र

इकाई – 3 :

- प्लेटो : अनुकृति सिद्धांत,
- अरस्तू : अनुकरण और विवेचन
- लौंजाइनस : औदात्य विवेचन
- कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत
- रिचर्ड्स : मूल्य, संप्रेषण
- वर्ड्सवर्थ : वर्ड्सवर्थ का काव्य- सिद्धांत
- टी. एस. इलियट : परंपरा की अवधारणा

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. रस मीमांसा - रामचन्द्र शुक्ल
2. रस सिद्धान्त - नगेन्द्र
3. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - नगेन्द्र
4. भारतीय काव्य शास्त्र - भगीरथ मिश्र
5. भारतीय काव्य शास्त्र - सत्यदेव चौधरी

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

6. भारतीय साहित्य शास्त्र (दोनों भाग) - बलदेव उपाध्याय
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा
8. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन एवं कुसुम बांठिया
9. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – तारकनाथ बाली
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास - सत्यदेव चौधरी एवं शांतिस्वरूप गुप्त

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 2

(Syllabus for Choice Based Credit System (CBCS)

हिंदी साहित्य की परंपरा और विकास

पत्र : 204

- **हिंदी साहित्य की परंपरा और विकास**

इकाई – 1 :

- आदिकालीन काव्य का परिचय और प्रतिनिधि रचयिता

इकाई- 2 :

- भक्तिकालीन काव्य : कबीर, सूर, तुलसी, जायसी और मीरा के काव्य

इकाई – 3 :

- रीतिकालीन काव्य : बिहारी, रहीम, भूषण, घनानंद

इकाई – 4 :

- आधुनिक साहित्य : गद्य और पद्य , भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद और नई कविता

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा
5. हिंदी साहित्य का इतिहास - नगेंद्र
6. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपतिचंद्र गुप्त
7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरुप चतुर्वेदी

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 2
हिंदी कहानी

पत्र : 205

इकाई – 1 :

- कहानी : कथा और आख्यान के विभिन्न रूप, कहानी अर्थ एवं स्वरूप, वस्तु और शिल्प।

इकाई – 2 :

(क) कफन : प्रेमचंद

(ख) आकाशदीप : प्रसाद

(ग) अपना-अपना भाग्य : जैनेन्द्र

(घ) तीसरी कसम : फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई – 3 :

(क) गैंग्रीन : अज्ञेय

(ख) कोशी का घटवार : शेखर जोशी

(ग) अमृतसर आ गया : भीष्म साहनी

(घ) सिक्का बदल गया : कृष्णा सोबती

इकाई – 4 :

(क) राजा निरबंसिया : कमलेश्वर

(ख) वापसी : उषा प्रियंवदा

(ग) पिता : ज्ञानरंजन

(घ) सलाम : ओमप्रकाश वाल्मीकि

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. कहानी : नयी कहानी - नामवर सिंह
2. हिंदी कहानी : पाठ और प्रक्रिया - सुरेन्द्र चौधरी
3. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी
4. हिंदी कहानी अस्मिता की तलाश - मधुरेश
5. कहानी : अनुभव और अभिव्यक्ति - राजेंद्र यादव
6. नयी कहानी भूमिका - कमलेश्वर
7. कहानी की रचना प्रक्रिया - परमानंद श्रीवास्तव
8. हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश
9. आज की कहानी - विजयमोहन सिंह
10. हिंदी कहानी : पहचान और परख - इन्द्रनाथ मदान
11. नई कहानी एये सवाल - सत्यकाम
12. हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय
13. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी
14. समकालीन कहानी का समाजशास्त्र - देवेंद्र शर्मा
15. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र
16. समकालीन कहानी : दिशा और दृष्टि - डॉ. धनंजय
17. समकालीन कहानी : रचना-मुद्रा - पुष्पपाल सिंह

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 3

हिंदी उपन्यास

पत्र : 301

- **हिंदी उपन्यास**

इकाई – 1 :

- उपन्यास : अर्थ, स्वरुप, वस्तु और शिल्प, हिंदी उपन्यास की क्रमिक विकास यात्रा और परिवर्तित स्वरुप

इकाई- 2 :

- गोदान – प्रेमचंद

इकाई – 3 :

- मैला आँचल – फणीश्वरनाथ 'रेणु'

इकाई – 4 :

- आपका बंटी – मन्नू भंडारी

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. प्रेमचंद और उनका युग - राम विलास शर्मा
2. प्रेमचंद – एक साहित्यिक विवेचन - नन्ददुलारे वाजपेयी
3. आधुनिक हिन्दी उपन्यास - सं. नरेन्द्र मोहन
4. मैला आँचल की रचना प्रक्रिया - देवेश ठाकुर
5. मैला आँचल का महत्व - मधुरेश
6. गोदान का महत्व - मधुरेश
7. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन - शंभुनाथ
8. आज का हिन्दी उपन्यास - इन्द्रनाथ मदान
9. हिन्दी उपन्यास - रामचन्द्र तिवारी
10. प्रेमचंद : विरासत का सवाल - शिव कुमार मिश्र
11. अठारह उपन्यास - राजेन्द्र यादव

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

12. मैला आँचल : पुनर्पाठ/ पुनर्मूल्यांकन - सं. परमानन्द श्रीवास्तव

13. परिषद पत्रिका : रेणु विशेषांक (जुलाई-दिसम्बर-2009)

14.मन्नू भण्डारी कथा सृजन की अंतयात्रा - प्रो. किशोर गिरधर

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 3

हिंदी नाटक और रंगमंच

पत्र : 302

- **हिंदी नाटक और रंगमंच**

इकाई – 1 :

(क) प्रमुख पारंपरिक नाट्य रूप : रामलीला, रास, स्वांग, नौटंकी इत्यादि।

(ख) हिन्दी रंगमंच : व्यावसायिक (पारसी, थियेटर, अव्यवसायिक, पृथ्वी थियेटर, इप्टा) पेशेरेवर, शौकिया आजादी के बाद का रंगमंच, नुक्कड़ नाटक।

इकाई – 2 :

(क) अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चंद्र

(ख) ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद

इकाई – 3 :

(क) आधे-अधूरे : मोहन राकेश

(ख) औरत : सफदर हाशमी

इकाई - 4 :

(क) एक और द्रोणाचार्य : शंकर शेष

(ख) हानूश : भीष्म साहनी

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. नाट्य शास्त्र - राधावल्लभ शास्त्री
2. रंगदर्शन - नेमिचंद जैन
3. रंगमंच और नाटक की भूमिका - लक्ष्मीनारायण लाल
4. नाट्य शास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक - हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. भारत की हिन्दी नाट्य संस्थाएँ एवं नाट्य शालाएँ - विश्वनाथ शर्मा
6. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच - सीताराम चतुर्वेदी

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

7. आज के रंग नाटक - इब्राहिम अल्काज़ी
8. भारतीय नाटक का अग्रदूत - मोहन राकेश - गोविंद चातक
9. नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना - सत्येंद्र कुमार तनेजा
10. नाटककार मोहन राकेश - कृष्णानंद तिवारी
11. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच - नरेन्द्र मोहन
12. बीसवीं शताब्दी में हिंदी नाटक और रंगमंच - गिरीश रस्तोगी
13. नाटक की साहित्यिक संरचना - गोविंद चातक
14. आज के हिंदी रंग नाटक - जयदेव तनेजा
15. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच - जयदेव तनेजा
16. हिंदी नाटक : आजकल - जयदेव तनेजा
17. नाटककार जयशंकर प्रसाद - सत्येन्द्र तनेजा
18. भीष्म साहनी व्यक्ति और रचना - राजेश्वर सक्सेना, प्रताप ठाकुर
19. नाटककार भीष्म साहनी - डॉ. सुरैय्या शेख
20. भीष्म साहनी के कथा साहित्य में समसामयिकता - डॉ. दयानंद सालुकें
21. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - नेमिचंद जैन
22. हिंदी नाटक उद्भव और विकास - दशरथ ओझा

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 3
हिंदी कथेतर साहित्य

पत्र : 303

- **हिंदी कथेतर साहित्य**

इकाई – 1 :

- निबंध : (1) भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है ? – भारतेन्दु
  (2) कविता क्या है? – रामचंद्र शुक्ल

- **विविध गद्य रूप :**

इकाई – 2 :

- आत्मकथा : एक कहानी यह भी (निर्धारित अंश)
- जीवनी : विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा (निर्धारित अंश)

इकाई – 3 :

- यात्रा साहित्य : मेरी तिब्बत-यात्रा : राहुल सांकृत्यायन
- संस्मरण : महादेवी वर्मा – पथ के साथी : सुभद्रा कुमारी चौहान, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला

इकाई – 4 :

- व्यंग्य : हरिशंकर परसाई - भोलाराम का जीव, अकाल उत्सव
- डायरी : एक साहित्यिक की डायरी – मुक्तिबोध से
  एक लंबी कविता का अन्त, उबरे पर सूरज का बिम्ब

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ - कैलाशचंद्र भाटिया, रचना भाटिया
2. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचंद्र तिवारी

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

3. हिंदी का कथेतर गद्य परंपरा और प्रयोग - संपादक : दयानिधि मिश्र
4. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ - कैलाश चन्द्र भाटिया
5. गद्य की पहचान - अरुण प्रकाश
6. आत्मकथा की संस्कृति - पंकज चतुर्वेदी
7. आधुनिककालीन हिंदी गद्य साहित्य - मेहता यशोधरा एस. और चौहाण महारुद्रप्रताप सिंह वी.
8. हिंदी की प्रमुख विधाएँ - बैजनाथ सिंहल
9. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गद्य में व्यंग्य - हरिशंकर दूबे

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 3

प्रयोजनमूलक हिंदी एवं रचना पाठ विश्लेषण

(Syllabus for Choice Based Credit System (CBCS)

पत्र : 304

- **हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी**

इकाई – 1 :

- प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप एवं प्रयोग क्षेत्र
- अनुवाद : परिभाषा एवं महत्व, प्रकार, क्षेत्र एवं समस्याएँ और व्यावहारिक अनुवाद।

इकाई – 2 :

- हिंदी जनसंचार माध्यम, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम
- मीडिया : स्वरूप, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया

इकाई – 3 :

- दीपदान- रामकुमार वर्मा
- सद्गति – प्रेमचंद

इकाई – 4 :

- भिक्षुक - निराला
- प्रेत का बयान - नागार्जुन

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे
2. प्रयोजन मूलक हिंदी : सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल साल्टे
3. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास - अर्जुन तिवारी
4. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास - कृष्ण बिहारी मिश्र
5. पत्रकारिता के विविध आयाम - रामचन्द्र तिवारी

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

6. मीडिया : लेखन - सुमित मोहन
7. मीडिया समग्र - डॉ. अर्जुन तिवारी
8. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और व्यवहार - सं. नगेन्द्र
9. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग - प्रो. जो गोपीनाथन
10. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृष्य - रीतारानी पालीवाल
11. अनुवाद क्या है - भोलानाथ तिवारी एवं राजमल बोरा

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर – 3

(A) हिंदी पत्रकारिता

अथवा

(B) भारतीय साहित्य

पत्र : 305

- **हिंदी पत्रकारिता**

इकाई – 1 :

(क) पत्रकारिता : स्वरूप, महत्व, इतिहास

(ख) हिंदी पत्रकारिता का उदय, विकास एवं प्रवृत्तियाँ

(ग) भारतीय पत्रकारिता का उदय और हिंदी पत्रकारिता का आरंभ, भारतीय नवजारण और हिंदी पत्रकारिता : स्वातंत्र्य-संघर्ष काल हिंदी पत्रकारिता , स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता

इकाई – 2 :

(क) पत्रकारिता का स्वरूप : पीत पत्रकारिता, प्रतिष्ठानी पत्रकारिता, स्वतंत्र पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता

इकाई – 3 :

(क) पत्रकारिता के भेद : प्रिंट, मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया, लघु पत्रिकाएँ

इकाई – 4 :

(क) समाचार के मूल तत्व, समाचार के प्रमुख स्त्रोत, संपादन कला अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की आजादी

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम - वेदप्रताप वैदिक
2. हिंदी पत्रकारिता - कृष्णबिहारी मिश्र
3. पत्रकारिता के नये आयाम - एस. के. दुबे

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

4. भारतीय स्वतंत्रता और हिंदी पत्रकारिता - बंशीधर कुटीर
5. हिंदी पत्रकारिता उद्भव और विकास - रचना भोला 'यमिनी'
6. हिंदी पत्रकारिता का वृहत इतिहास - अर्जुन तिवारी
7. हिंदी पत्रकारिता : भारतेन्दु-पूर्व से छायावादोत्तर काल तक - धीरेन्द्रनाथ सिंह
8. पत्रकारिता प्रवेश और प्रवृत्तियाँ - पृथ्वीनाथ पाण्डेय
9. पत्रकारिता नए दौर, नए प्रतिमान - संतोष भारतीय
10. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ - विनोद गोदरे
11. समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला - डॉ. हरिमोहन

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

अथवा (OR)

सेमेस्टर – 3

(B) भारतीय साहित्य

पत्र : 305

- **भारतीय साहित्य**

इकाई – 1 :

(क) भारतीय साहित्य का स्वरुप, भारतीय साहित्य का इतिहास, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता, भारतीयता का समाजशास्त्र

इकाई -2 :

- हिन्दीतर भारतीय साहित्य का अध्यय (निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अध्ययन)

(क) बंगला साहित्य का उद्भव और विकास

(ख) उड़िया साहित्य का उद्भव और विकास

(ग) संथाली साहित्य का उद्भव और विकास

(घ) उर्दू साहित्य का उद्भव और विकास

इकाई -3 :

- साहित्य कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन

(क) कविता संग्रह – वर्षा की सुबह (उड़िया-सीताकान्त महापात्र) (दस कविताएं)

(ख) नाटक – घासीराम कोतलवाल (मराठी - विजय के तेन्दुलकर)

इकाई - 4 :

(क) कहानी : काबुलीवाला - रवीन्द्रनाथ टैगोर (बंगला)

(ख) कहानी : टोबा टेक सिंह - सहादत हसन मंटो (उर्दू)

(ग) उपन्यास : गणदेवता - ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बंगला)

(घ) उपन्यास : संस्कार - यू.आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. भारतीय साहित्य - सं. डॉ. मूलचंद गौतम
2. भारतीय साहित्य अवधारणा, समन्वय एवं सादृश्य - जगदीश जादव
3. हिंदी तथा बांग्ला काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन - इंद्रनाथ चौधरी
4. भारतीय साहित्य - राम छबीला त्रिपाठी
5. भारतीय साहित्य की पहचान – सं- सियाराम तिवारी
6. भारतीय साहित्य अध्ययन की विविध दिशाएं – प्रदीप श्रीधर
7. आज का भारतीय साहित्य –अनुवाद : प्रभाकर माचवे
8. भारतीय साहित्य समेकित इतिहास – डॉ.नगेन्द्र
9. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं- रामविलास शर्मा
10. भारतीय साहित्य की अवधारणा- राजेन्द्र मिश्र
11. तुलनतामक साहित्य - इ . एन . ई . विश्वनाथ अय्यर
12. तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य - हनुमान प्रसाद शुक्ल
13. तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य - इंद्रनाथ चौधरी
14. तुलनात्मक अध्ययन भारतीय भाषाएँ और साहित्य - सं. भ. ह. राजूकर एवं राजकमल बोरा
15. तुलनात्मक अध्ययनस्वरुप एवं समस्याएँ - राजकमल बोरा

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 4

हिंदी आलोचना

पत्र : 401

- **हिंदी आलोचना**

इकाई-1

(क) हिंदी आलोचना : स्वरूप एवं विकास

(ख) हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियाँ : काव्यशास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मार्क्सवादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, प्रभाववादी, समाजशास्त्रीय, संरचनावादी, शैलीवैज्ञानिक, तुलनात्मक।

इकाई- 2 :

(क) भारतेंदुयुगीन समीक्षा, द्विवेदीयुगीन समीक्षा, शुक्लयुगीन आलोचना, शुक्लोत्तरयुगीन समीक्षा।

इकाई-3 :

(क) रामचंद्र शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना-दृष्टि, नंददुलारे वाजपेयी,

इकाई-4 :

(क) रामविलास शर्मा, नामवर सिंह

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल
2. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
3. हिंदी आलोचना : शिखरों से साक्षात्कार - रामचंद्र तिवारी
4. हिंदी आलोचना का विकास - मधुरेश
5. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - रामविलास शर्मा
6. इतिहास और आलोचना - नामवर सिंह
7. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल
8. आलोचना का जनपक्ष - चंद्रबली सिंह
9. आलोचना के रचनापुरुष नामवर सिंह - भारत यायावर

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

10.हिंदी आलोचना - निर्मला जैन

11.हिंदी आलोचना में अनुपस्थित - दामोदर मिश्र

12. हिन्दी आलोचना का वैचारिक आधार - कृष्णदत्त पालीवाल

13.आलोचना केबुनियादी सरोकार - कर्णसिंह

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 4
अनुवाद विज्ञान

पत्र : 402

- **अनुवाद विज्ञान**

इकाई -1 :

(क) अनुवाद : परिभाषा और महत्व।

(ख) अनुवाद के प्रकार : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, लिप्यंतरण, आशु अनुवाद, मशीनी अनुवाद।

इकाई -2 :

(क) अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : अनुवाद के विभिन्न चरण, स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा, अर्थान्तरण की प्रक्रिया, अनूदित पाठ का पुनर्गठन।

इकाई -3 :

(क) अनुवाद के क्षेत्र और समस्याएँ : साहित्यिक अनुवाद ,कार्यालयी अनुवाद

(ख) अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कंप्यूटर

इकाई -4 :

(क) अनुवाद व्यावहारिक : किसी अंग्रेजी सामग्री का हिंदी अनुवाद एवं किसी हिंदी सामग्री का अंग्रेजी अनुवाद।

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. अनुवाद : सिद्धान्त और व्यवहार - जयंती प्रसाद नौटियाल
2. अनुवाद विज्ञान की भूमिका – कृष्ण कुमार गोस्वामी
3. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्ण कुमार गोस्वामी
4. अनुवाद कला - एन.ई.विश्वनाथ अय्यर

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

5. अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग - कैलाशचंद्र बाटिया
6. पूरनचंद टंडन - कम्प्यूटर अनुवाद
7. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
8. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और व्यवहार - सं. नगेन्द्र
9. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग - प्रो. जो गोपीनाथन
10. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृष्य - रीतारानी पालीवाल
11. अनुवाद क्या है - भोलानाथ तिवारी एवं राजमल बोरा

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर - 4

विविध विमर्श और हिंदी साहित्य

पत्र : 403

- **विमर्शों की सैद्धांतिकी : विमर्श : संकल्पना एवं स्वरूप (भारतीय एवं पाश्चात्य)**

इकाई -1 :

(क) स्त्री-विमर्श : अवधारणा, इतिहास एवं स्वरूप, समकालीन हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्शमूलक साहित्य लेखन, स्त्री-आन्दोलन।

इकाई -2 :

(क) दलित विमर्श : दलित साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, वैचारिकता, दलित साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता, दलित साहित्य की मान्यताएँ, दलित साहित्य सौंदर्यशास्त्र, समकालीन हिंदी साहित्य में दलित विमर्शमूलक साहित्य लेखन।

इकाई-3 :

(क) आदिवासी विमर्श : अवधारणा, इतिहास एवं स्वरूप, हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्शमूलक साहित्य लेखन।

इकाई 4 :

(क) पर्यावरण विमर्श : अवधारणा, परंपरा, चुनौतियाँ, उपयोगिता एवं संरक्षण, भारतीय साहित्य में पर्यावरण संबंधी विचार : वैदिककाल से लेकर आधुनिक काल तक

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. विमर्श के विभिन्न आयाम - डॉ. अर्जुन चव्हाण
2. हिंदी के समकालीन विमर्श - प्रो. प्रदीप श्रीधर
3. 21वीं सदी के साहित्यिक विमर्श - डॉ. नीता श्री दौलतकर
4. अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य - राजेंद्र यादव
5. आदमी की निगाह में औरत - राजेंद्र यादव
6. स्त्री के लिए जगह - सं. राजकिशोर
7. स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य - डॉ. के. एम. मालत

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

8. भारतीय महिला आन्दोलन : कल, आज और कल - दीप्ति प्रियामहरोत्रा
9. स्त्रीमुक्ति : संघर्ष और इतिहास - रमणिका गुप्ता
10. समकालीन हिंदी साहित्य में नारी संवेदना संपादक : दयानंद सालुंके
11. हिंदी साहित्य में दलित चेतना : अवधारणा और स्वरुप - डॉ. रश्मि चतुर्वेदी
12. दलित चिंतन - दया पवार
13. हिंदी दलित आत्मकथाएँ एक मूल्यांकन : पुनीता जैन
14. दलित साहित्य चिंतन (इतिहास और बोध दृष्टि) : नामदेव और नीलम
15. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र - ओम प्रकाश बाल्मीकी
16. आदिवासी साहित्य विमर्श : सं. डॉ. मोहन चव्हाण
17. हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श : सं. डॉ. हर्षलता साह
18. आदिवासी अस्मिता की पड़ताल करते साक्षात्कार डॉ. रमणिका गुप्ता
19. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी : डॉ. रमणिका गुप्ता
20. आदिवासी साहित्य विमर्श चुनौतियाँ और सभावनाएँ - गंगा प्रसाद मीणा
21. स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बुआ
22. दलिता साहित्य विशेषांक : हंस पत्रिका
23. हिंदी में आदिवासी साहित्य : इसयाक अली
24. पर्यावरण शिक्षण - हरिश्चन्द्र व्यास
25. आधुनिक जीवन और पर्यावरण - दामोदर शर्मा
26. मानव और पर्यावरण - हरिश्चंद्र व्यास
27. प्रकृति, संस्कृति और पर्यावरण - गोविन्द चातक

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर – 4

विशेष अध्ययन-पत्र

पत्र : 404

विशेष अध्ययन-पत्र (A)

प्रेमचंद

इकाई -1 :

उपन्यास : रंगभूमि, गबन

इकाई-2 :

कहानियाँ : ईदगाह, ठाकुर का कुआँ, हिंसा परमो धर्मः, सद्गति, सवा सेर गेहूँ, नमक का दारोगा, दो बैलों की कथा।

इकाई -3 :

निबंध संग्रह : कुछ विचार (साहित्य का उद्देश्य)

इकाई- 4 :

नाटक : कर्बला

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा
2. प्रेमचंद की विरासत और गोदान - शिवकुमार मिश्र
3. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन - शंभुनाथ
4. प्रेमचंद कलम का सिपाही - अमृतराय
5. प्रेमचंद विश्वकोश - कमल किशोर गोयनका
6. प्रेमचंद आज के संदर्भ में - गंगा प्रसाद विमल
7. प्रेमचंद की विरासत - राजेन्द्र यादव

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

विशेष अध्ययन-पत्र (B)

निराला

इकाई-1 :

राग विराग : निम्नांकित कविताएँ निर्धारित हैं :

जूही की कली, जागो फिर एक बार-2, बादल राग-6, राम की शक्ति पूजा, स्नेह निर्झर बह गया, कुकुरमुत्ता, राजे ने रखवाली की, तोड़ती पत्थर, जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ, भारति जय-विजय करे।

इकाई -2 :

उपन्यास : कुल्ली भाट, बिल्लेसुर बकरिहा

इकाई -3 :

कहानियाँ : देवी, चतुरी चमार,भक्त और भगवान

इकाई-4 :

निबंध : हिंदी कविता, साहित्य की प्रगति, हमारे साहित्य का ध्येय।

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. निराला रचनावली - नंदकिशोर नवल
2. निराला की साहित्य साधना - रामविलस शर्मा
3. निराला : व्यक्तित्व और कृतित्व - धनंजय वर्मा
4. निराला एक आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99

सेमेस्टर – 4

लघु शोध प्रबंध लेखन

पत्र : 405

- **लघु शोध प्रबंध लेखन**

परियोजना कार्य के अंतर्गत हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं (आधुनिक कविता, कहानी , नाटक, उपन्यास, निबंध, आलोचना आदि) पुस्तक विशेष की समीक्षा तथा रचनाकार विशेष (आधुनिक), प्रवृत्ति विशेष (आधुनिक), युगविशेष (आधुनिक), भाषा एवं साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, भाषा विज्ञान आदि पर आधारित लगभग 5000 (पाँच हजार) शब्दों में एक लघु शोध-प्रबंध लेखन हेतु शोधानुशासन का पालन होगा।

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 08 Sep 2024 08:30:17 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=99